प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 37 अंक 3 जुलाई 2013

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1. क्या-क्या ज़रूरी है एक कक्षा में? – रूथ रस्तोगी 5
2. पत्र कैसे लिखवाएँ – अक्षय कुमार दीक्षित 16
3. कह दो एक कहानी – लता पाण्डे 21
4. भाषा शिक्षण – राधा 27
5. बाल विकास के लिए खेल-खेल में शालापूर्व शिक्षा – कृष्ण चंद्र चौधरी 32
6. शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के क्रियान्वयन में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका – मंजू देवी 41
7. सतत एवं समग्र मूल्यांकन – मिलन सिंह 46
8. बच्चे एवं गणित का सीखना-सिखाना – सत्यवीर सिंह, अनिल कुमार 51

अनुभव

9. फील्ड विज़िट के दौरान पठन कौशल से संबंधित कुछ अनुभव – रौमिला सोनी 58

शोध

10. जवाहर नवोदय विद्यालय, गाज़ियाबाद के संदर्भ में एक समीक्षात्मक अध्ययन – रमेश कुमार, वीरेंद्र प्रताप सिंह 64

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं– (i) अनुसंधान और विकास, (ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार। यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।

उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है– विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

पुस्तक के पन्नों से

11. प्राथमिक शाला में शिक्षक – गिजुभाई बधेका 69
    – फ़ुर्सत में करने के काम
    – बाल मंदिर के शिक्षकों से
    – शिक्षक की स्वीकारोक्ति

बालमन कुछ कहता है

12. चित्रकथाएँ, कार्टून और किताबों में मज़ा – सृष्टि सहाय 76

प्राथमिक शिक्षक पत्रिका के बारे में 78

कविता

13. छोटी-छोटी बातें – कृष्णा सहगल 79
14. गुड्डू का बचपन – नीलिमा